सज्यउर प्राचीसं. सत्यपुर, साचोर सज्या शीलक. शय्या, पथारी सझ सिंहाशा. सञ्ज. तैयार ? **सङ्गाय** *आरारा.* स्वाध्याय, धर्मचितन सटा लावल. केशवाळी [सं.] **सटी** अखाछ, सटकी **सट्ठी** *नेमिछं*. साठ [सं.षष्टि] सद्दुवि ऐतिका. सुष्ठु, श्रेष्ठ, [सुंदर रीते] सठ अखाछ. *सीधो. *सहेलो सट. [*शठ]: *आनंस्त.* शठ, शाठ्य, धूर्तता सठामे अखाछ. सारे (साचे) ठेकाणे प्रेमाका. नाकमां वायु खेंचीने करवामां आवता अवाज सढाणा गुर्जरा. बख्तरथी सञ्ज (सं.संनद्ध) सणड कर्प्मं. सुणो [सं.श्रुणोति] सणकारा नरका. सणका, शूळ भोंकाती होय एवी पीडा सणग *कस्तुवा. शृंगामं. सुरंग, भोंयरुं **सणगट** *प्रेमाका*. घूंघट सणमणु नलाख्या. सूनमून (*सं.शून्य-मौनकः) [सं.शून्यमनस्] सणसर प्राचीफा. हीलचाल, अिणसारो, *पगरव]; जुओ सणसार सणसार दशस्कं(२). प्रेमाका. गुप्त सान, इशारो; जुओ सणसर सणीजां अंबरा. ऐतिरा. षष्टिप्र. स्नेहीओ (सं.स्निह्यक); जुओ सगसणीजु, सगासणीजा, सगांसणीजा, सुणीजउ सत नेमिछं. सत्त्व, दिवत, कौवती **सत** *आरारा*. साचुं [सं.सत्य]

सत कहा जरका. सत्य कहा, चोक्कस कहा, बिराबर कहो सतपीढिया जिनरा. परंपरागत, [सात पेढी-थी वसता] [सं.सप्त+पीठ] सतरभेदी ऐतिका. सत्तर प्रकारनी सतर सेंस ऐतिरा. सत्तर हजार [सं. सप्तदश+सहस्र सतसदि, सतसि उक्तिर. जिनरा. सडसठ [सं.सप्तषष्टिः] सतहत्तरि, सतहत्तर, सतहत्तरि उक्तिर. उपबा. षडाबा. सत्योतेर (सं.सप्त-सप्ततिः) **सतंतर** अखेगी. स्वतंत्र **सताब** चंद्रवा. ?, [उतावळ]: *देवरा*. उतावळ (फा.शिताब) सति कादं(शा). छते, छतां सतेतालंड जुओ एक संउ सतेतालंड **सत्त** गुर्जरा. नेमिछं. सात (सं.सप्त) सत्तरि उक्तिर. सत्तर; सित्तेर (सं.सप्तदशः वा सप्ततिः) **सत्तवंति** श्रंगामं. सत्यवंती **सत्तसइं** *नेमिछं*. सात सो [सं.सप्तशत] सत्ता अखेगी. हस्ती; चित्तसं. प्रभाव [सं.] सत्ताणवइ षडाबा. सत्ताणुं (सं.सप्तनवतिः) सत्तु ऐतिका. सत्त्व, [*ब्रह्म, *ईश्वर, *देव] सत्त्वार *गुर्जरा*. सदाव्रत (प्रा.सत्तुक+ सं.अगार); जुओ सत्रकार, शत्रुकार सत्तोतर सय वडाबा. एक सो सात (सं. सप्तोत्तरशत) **सत्य ****ऐतिका***. [शास्त्र] [प्रा.]**